SHRIMATI AMARJIT KAUR: Sir, I want to bring this to the notice of the Government.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): I am sorry, Mrs. Kaur. You see. . . . .

SHRI SYED SIBTE RAZI (Uttar Pradesh): Sir, it is a serious matter and we are all very much concerned. You should not take it lightly,

SHRIMATI AMARJIT ' KAUR: Sir, it is a serious matter.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): I am sorry, Mrs. Kaur. If it pertains to an ex-M.P., I don't think the House is concerned with it

SOME HON. MEMBERS: We are concerned, Sir. *(Interruptions).* .

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): If it is a question of a sitting MP, the question would arise. But he is an ex-M.P. (Inter-*ruptions).*

SHRIMATI AMARJIT KAUR: Sir, it is something serious.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): Surely, anybody receiving any kind of threat cannot be mentioned in this House. It is for you to approach the police authorities, inform them to this threat, so that they would take appropriate action. As far as this House is concerned, one can understand if it is a question of a sitting M.P. Therefore, I am afraid, mentioning of this here is not quite correct.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Anyway, Sir, the matter is quite serious.

SHRI NARSINGH NARAIN PANDEY (Uttar Pradesh): Sir, it is not a question of mentioning a matter here. It is a question of the Dal Khalsa which is an organisation of the extremists in Punjab and which is causing concern and anxiety in the matter of law and order in that part of the country. He being an editor is being threatened because he is giving a secular bias to all these policies. So, Sir, I want that the Government should take proper action and direct the State Government also so that some kind of protective measures could be taken in this regard.

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, I would request the honourable Minister of State for Home Affairs, Mr. Makwana, to look into this matter.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. RAFIQ ZAKARIA): After all, we must be guided by certain Rules of Business of this House. And, therefore, if, as Mr. Pandey has said that this is a matter of larger implications, then certainly a Member has the right to bring it in some form or other. And I understand that already a special mention on this subject has been allowed by the Chairman. I think, Mr. Yogendra Sharma has been allowed by the Deputy Chairman to make a mention of it. And at that time, if any of the Members feel that this is a matter of such serious concern, then they can also, if they like, add a few words here and there and I won't mind giving the permission. But I do not think it would be right if every one just gets up. *(Interruptions)* Now, I will call upon Mr. Yadav.

REFERENCE TO THE REPORTED POLLUTION OF WATER OF DAMODAR RIVER IN BIHAR, POSING DANGER TO HUMAN AND ANIMAL LIFE

श्री हुकमदेव नारायण यादव (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गम्भीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । सवाल यह है कि बिहार में छोटा नागपुर और

[श्री हुक्मदेव नारायण यादव]

संथाल इलाके में जहां पर आदिवासी और दबे हुए कमजोर वर्गों के लोग बसते हैं, एक तो गांवों में लोगों को पीने का पानी नहीं मिलता है और दूसरी तरफ दामोदर नदी का पानी गंदा हो जाने के कारण पीने के पानी की गम्भीर समस्या खड़ी हो गई है । दामोदर नदी बंगाल और बिहार में होकर बहती है । सैकड़ों मील तक फैली हुई इस नदी का पानी वहां के आदिवासी और जानवर, सभी पीते हैं और उसी पानी से अन्य सभी कारोबार चलते हैं । एक तरफ तो सरकार जल प्रदूषण के लिए कानून बनाती है, लेकिन दूसरी तरफ भारत सरकार का जो सबसे बड़ा कोयले का संस्थान है, सी० सी० एल० उसकी गिद्दी वासरी, स्वांग वासरी तथा दुरधा वासरी, करगली वासरी के गन्दे पानी से दामोदर नदी का पानी दूषित हो गया है । इसके अलावा बिहार सरकार का जो पतरातू थर्मल पावर स्टेशन है उसका गन्दा पानी भी दामोदर नदी में जाता है जिसके कारण उस इलाके के लोगों को पीने के लिए गन्दा पानी मिल रहा है। इसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है । आज हजारों आदमी वहां पर जॉन्डिस से पीड़ित हो चुके हैं और उस गन्दे पानी को पीने के कारण वहां के लोग और जानवर अनेक रोगों से पीड़ित हो कर मर रहे हैं। उसी इलाके में एक बहुत बड़ा पर्यटन स्थल, छिन्न मस्तिका तीर्थ स्थल, है जहां पर हजारों लोग जाते हैं और इस गन्दे पानी का इस्तेमाल करते हैं । इसलिए मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि दामोदर नदी में जिस प्रकार से गन्दा पानी और दूषित पदार्थ डाले जा रहे हैं उसको रोका जाय । इस गन्दे पानी के कारण वहां के गिरिजनों और आदिवासियों को अनेक रोगों का शिकार होना पड़ रहा है । मैं उस इलाके से उस नदी का पानी भी लाया हूं । मैं इसको टेबल पर नहीं रखना चाहता हूं लेकिन यह चाहता हूं कि आप इसको देख लें । इसमें इतनी गन्ध आ रही है कि कोई भी इसको नहीं पी सकता है । मैं चाहता हूं कि आप इसको देख लीजिये ।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया): मैं आपसे कहूंगा कि आप इसको कनसर्न मिनिस्टर को दे दीजिये या उनके पास भेज दीजिये । मैं इसको लेकर क्या करूंगा ?

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : श्रीमन्, आप इसको देख लीजिये, यह कितना गन्दा हो गया है ।

REFERENCE TO THE REPORTED COLLAPSE OF SKY BUNKER' OF KOTAMA COLLIERY IN MADHYA PRADESH, KILLING 30 PERSONS

श्री लाडली मोहन निगम (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी जिस घटना का जिक्र किया गया है, मैं भी वही इंसानी जिन्दगी से जुड़ी हुई घटना का जिक्र करना चाहता हूं और हिन्दुस्तान के ऊर्जा मंत्री का ध्यान इस घटना की तरफ दिलाना चाहता हूं । आज तक ऐसी घटना घटी नहीं है । यह ठीक है कि चसनाला जैसी घटनाएं घटी हैं, लेकिन ये घटनाएं क्यों घट जाती हैं, इस पर मैं इस वक्त नहीं कहना चाहता हूं । हो सकता है, इसमें सरकार की लापरवाही हो । खदानें अन्दर बैठ जाती हैं, इस प्रकार की घटना तो हुई हैं । लेकिन यह पहला मौका है जब खदानों के अन्दर से निकले हुए सामान को रखने के लिए कोई बंकर या गोदाम बनाया जाय और वह बैठ जाये । इसकी खबर आज के 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में आई है । हजारों टन वजन की छत बैठी और उसके नीचे 30 आदमी मर गये, मजदूर काम करने वाले मर गये । उपसभाध्यक्ष महोदय,